

# The Brigade School UT1 2020-21

Total points 21.5/25 ?

Std - 10

Hindi (2 Language) Paper 2

Marks - 25

Email address \*

mananmehtabatman@gmail.com

0 of 0 points

Name of the Student \*

Manan Y Mehta ▼

Name of School \*

☒ TBSG

☐ TBSW

Section \*

☒ A

☐ B

खंड - क - (निबंध) अंक - ५

2 of 5 points



प्र.१ . निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग १५० शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :

क. किसी ऐसी यात्रा का वर्णन कीजिए जब आपको एक रात स्टेशन पर बितानी पड़ी।

✗ ख. सदाचारी व्यक्ति जीवन के हर पहलू में सकारात्मक सोच रखता है। मानव जीवन में सदाचार का महत्व स्पष्ट करते हुए समझाइए। \*

2/5

Individual feedback

*Written at the last. Please don't do this again.*

खंड - ख -(पत्र लेखन) अंक - ५

4.5 of 5 points

प्र. २. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग १०० शब्दों में पत्र लिखिए :

क. अपने प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर अपने विषय परिवर्तन की प्रार्थना कीजिए।



✗ ख. समाज विरोधी तत्व द्वारा उच्च स्वर में निरंतर बजाए जा रहे संगीत से आपके अध्ययन 4.5/5 में विघ्न पड़ता है। अपने नगर के पुलिस कमिश्नर को एक शिकायती पत्र लिखिए और इसे जल्द बंद करवाने की प्रार्थना कीजिए। \*

(ख)

नो १५०, अरिहंत,  
राजाजीनगर,  
बेंगलुरु - ५६००१०

दिनांक - १८/०८/२०२०

सेवा में,  
पुलिस कमिश्नर,  
मल्लेश्वरम,  
बेंगलुरु - ५६००५५

विषय - उच्च स्वर में संगीत से परेशानी होने हेतु शिकायत पत्र।

माननीय महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं आपके राजाजीनगर में रहनेवाला एक नागरिक हूँ और समाज विरोधी तत्व द्वारा उच्च स्वर में निरंतर संगीत बजाने हेतु सभी लोगों को बहुत तकलीफ हो रही है।

आस पड़ोस के लोगों को उच्च स्वर में बजाए संगीत से बहुत कष्ट झेलना पड़ रहा है। हमारे मोहल्ले में कुछ दिल के मरीज़

हैं जिनको उच्च संगीत की वजह से बहुत कष्ट हो रहा है। मुझे संगीत की वजह से अध्ययन में भी बहुत तकलीफ हो। अगले हफ्ते से मेरी परीक्षा है और उसे संगीत के कारण मैं पढ़ाई नहीं कर पा रहा हूँ। जब हमने इनको समझाने की कोशिश की तो उन्होंने बड़े ही बुरे स्वभाव से हमें घर से निकाल दिया। पालतू जानवर भी इसकी वजह से परेशानी में हैं।

उम्मीद है आप इसके बारे में कुछ करेंगे।

सधन्यवाद।

भवदीय,  
मनन मेहता।

खंड - ग अंक-१५

15 of 15 points

साहित्य सागर

२+३=५ x २ = १०

प्र.३. निम्नलिखित गद्यांश पढ़िए और उसके नीचे लिखे उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

१. "ज्यों-ज्यों चुनाव समीप आता, भेड़ों का उल्लास बढ़ता जाता।"

✓ क) चुनाव किस बात के लिए कराया जा रहा था ? भेड़ों का उल्लास क्यों बढ़ रहा था ? \* 2/2

वन के पशुओं को ऐसा लगा कि वह सभ्यता के उस स्तर पर पहुंच गए हैं जहां उन्हें एक अच्छी शासन व्यवस्था अपनानी चाहिए इसीलिए तय हो गया कि प्रजातंत्र की स्थापना। चुनाव प्रजातंत्र की स्थापना के लिए किया जा रहा था। भेड़ों को लगाओ कि चुनाव व जीतेगे क्योंकि वह ज्यादा है। उन्होंने सोचा कि चुनाव जीतकर वह ऐसा कानून बनाएंगे जिससे कोई भी जीवधारी किसी को ना सताए न मारे। इसी बात को सोचकर भेड़ों का उल्लास बढ़ रहा था।

✓ ख) कहानी में भेड़ों को किसका प्रतीक बताया गया है ? स्पष्ट कीजिए। \* 3/3

हरिशंकर परसाई द्वारा रचित "भेड़ें और भेड़िए" एक व्यंग्य कहानी है। हरिशंकर परसाई ने इस कहानी में प्रजातंत्र और भेड़िये रूपी राजनेता के खिलाफ तीखा व्यंग्य किया है। इस कहानी में भेड़ों को आम जनता का प्रतीक बताया गया है। यह भेड़े रूपी आम जनता अत्यंत वीनाय, कोमल, सत्यवान तथा नेक है। यह वो वर्ग है जो चाहता है कि समाज स्नेह, बंधुत्व, सुख, समृद्धि और प्रेम पर आधारित हो। भेड़े भेड़ियों के जाल में आसानी से फंस जाते हैं।

प्र. २. "वह काम तो तेरे लिए छोड़ दिया। मैं चली जाऊँगी तो जल्दी से सारी दुनिया का कल्याण के लिए झण्डा लेकर निकल पड़ना।"

✓ क) यहाँ कौन किससे कह रहा है ? यह व्यंग्य उसने क्यों किया ? \* 2/2

उपर्युक्त कथन की वक्ता चित्रा है और श्रोता अरुणा है। ये दोनों अपने - अपने क्षेत्र में कलाकार है। चित्रा की कला है कि वह पूरा दिन रंगों और तुलिकाओं में डूबी रहती है। उसे चौबीसों घंटे चित्र बनाने का नशा चढ़ा है। दूसरी ओर अरुणा पूरा समय समाज सेवा में अर्पित करती है। वह अधिक से अधिक लोगों की जान बचाने की कोशिश करती है। जब अरुणा ने चित्रा को कहा कि चित्र बनाने के अलावा किसी दो - चार की जिंदगी सवार लिया कर तो चित्रा ने यह कथन उसके उत्तर में कहा था।



✓ ख) तीन दिन से क्या हो रहा था ? श्रोता ने इस घड़ी में क्या किया था ? \*

3/3

तीन दिनों से मूसलाधार बारिश हो रही थी। बारिश मानो रुकने का नाम ही नहीं ले रही थी। मूसलाधार बारिश की वजह से बहुत लोगों को कष्ट झेलना पड़ रहा था। अरुणा दिन रात बाहर रहती थी ताकि वह बारिश से पीड़ित लोगों के लिए चंदा इकट्ठा कर सके। श्रोता अरुणा ने लोगों की मदद करने के लिए प्रिंसिपल से इजाजत लेकर एक स्वयं सेवको के दल के साथ उस जगह चली गई और वहां १५ दिन बाद लौटी। जब वह लौटी तो उसकी हालत कुछ खास नहीं थी।

एकांकी संचय  $२+३=५ \times १ = ५$

प्र.३. "काम लेने का ढंग उसे आता है , जिसे काम लेने की परख हो ।"

✓ क) यहाँ वक्ता और श्रोता कौन-कौन है ? वे इस समय कहाँ हैं तथा क्यों ? \*

2/2

उपर्युक्त कथन की वक्ता बेला, परेश की पत्नी है और इंदु परेश की बहन है। बेला और इंदु के बीच, मिसरानी को लेकर बहस हो रही थी। वह दो इस वक्त घर के अंदर है जहा उन दोनों की रजवा को काम से निकालने पर बहस हो रही है।



### ✓ ख) कथन के आधार पर वक्ता के स्वभाव पर प्रकाश डालिये। \*

3/3

उपर्युक्त कथन की वक्ता बेला है। बेला घर की छोटी बहू है और परेश की पत्नी है। बेला बहुत ही सुशिक्षित लड़की थी और उसका मायका आधुनिकता में विश्वास रखता था इसीलिए उसकी सोच भी वैसी ही थी। उसके आने से परिवार में मानो दरार आ गई थी। वह अपने मायके के सामने उसके ससुराल वालों को कुछ नहीं समझती थी। उसके अनुसार उसके ससुराल वालों को रहने - पहनने का ढंग ना था और वह गवार और अनपढ़ थे। जब दादाजी के समझाने पर सभी परिवार वाले उसे प्रेम से रहने लगे तो उसे भी अपनी गलती का एहसास हो गया और उसने दादाजी मूलराज से उसके किए के लिए माफी मांगी। बेला सुशिक्षित संस्कारी और सजीव स्वभाव की थी। बेला के स्वभाव में माफी मांगने के गुण भी थे।

#### प्रश्न १. (ख)

सदाचारी - यह शब्दों हमने अक्सर सुना है लेकिन हम इसे देखर भी अनदेखा कर लेते हैं। हमेशा इसलिए करते हैं क्योंकि हमारे अंदर एक खोट होता है। सदाचारी का अर्थ है हमेशा सच बोलना और सत्यवादी रहना, कभी कुछ गलत ना करना।

आजकल की भागदौड़ वाली जिंदगी में सभी को जल्दी से कामयाबी की ऊंचाइयों तक पहुंचना है और इसीलिए गलत राह पर चले जाते हैं मगर असलियत में सफल वही होता है जो सत्यवादी रहे और हमेशा सदाचारी का पालन करें। अगर एक मनुष्य सदाचार है तो वह अपनी जिंदगी में कोई भी मुकाम तक पहुंच सकता है। वो ऐसा इसलिए करता है क्योंकि उसकी सोच सकारात्मक होती है। वह सकारात्मक सोच के वजह से ही उसका स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है। अगर हम सदाचारी रहेंगे तो यह दूसरों के फायदे के लिए नहीं खुद के फायदे के लिए ही कर रहे हैं। गलत राह रहने से अगर कोई उस मुकाम तक पहुंच जाता है तो उसे इतनी खुशी नहीं होती जितनी मेहनत करके, सच्चे मन से वह पहुंचता।

हमारे देश के महान व्यक्ति महात्मा गांधी ने कहा था कि सच्चाई की राह ही सच्ची रहा है इसीलिए मानव को सदाचारी का रही चलना चाहिए।

This content is neither created nor endorsed by Google. - [Terms of Service](#) - [Privacy Policy](#)

Google Forms

